पंचम अध्याय

कक्षा नौवीं एवं दसवीं की हिंदी पाठ्‌यपुस्तकों के अध्ययन और अध्यापन संबंधी दिशाएँ

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY KOLHAPUR

पंचम अध्याय

कक्षा नौवीं एवं दसवीं की हिंदी पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन और अध्यापन संबंधी दिशाएँ

विषयप्रवेश-

कक्षा नौवीं एवं दसवीं की हिंदी पाठ्यपुस्तकों से छात्रों में भाषिक एवं आशय की दृष्टि से क्या परिवर्तन होता है? वे कहाँ तक सक्षम बनते हैं? प्रशिक्षणार्थी अध्यापक, प्रधानाध्यापक छात्रों को भाषिक एवं आशय की दृष्टि से क्या मार्गदर्शन करते हैं? उनका योगदान क्या है? वे छात्रों को कहाँ तक सक्षम बनाते हैं, इनकी जानकारी प्राप्त की है। अध्यापकों को अध्यापन करते समय क्या अनुभव प्राप्त होता हैं? छात्रों को पाठशाला में कहाँ तक ज्ञान प्राप्त होता है? आदि जानकारी प्राप्त करने के लिए ६० छात्रों, १० प्रशिक्षणार्थी अध्यापक, १० अध्यापक तथा ५ प्रधानाध्यापकों से साक्षात्कार प्राप्त किए हैं।

५.१ कुछ संबंध नमुना छात्रों से साक्षात्कार

पाठ्यपुस्तकों का छात्रों की दृष्टि से क्या महत्त्व है? तथा भाषिक एवं आशय की दृष्टि से क्या लाभ है? आदि जानकारी प्राप्त करने के लिए ६० छात्रों से साक्षात्कार प्राप्त किया है, उनकी जानकारी निम्नलिखित रूप में प्राप्त है। छात्र साक्षात्कार सारणी दी गई है।

५.१.१ छात्र-साक्षात्कार

प्रश्नावली

छात्र का नाम -

पाठशाला का नाम -

कक्षा - आयु -

पिता या अभिभावक का पूरा नाम-

पता -

सामान्य जानकारी हेतु प्रश्न

(१) पिता या अभिभावक की शिक्षा

(अ) निरक्षर है (ब) चौथीं कक्षा तक

(क) सातवीं कक्षा तक (ड) दसवीं कक्षा तक

(इ) बारहवीं कक्षा तक (ई) स्वातक (पदवी प्राप्त)

(उ) स्नातकोत्तर

(२) क्या आपके पास हिंदी पाठ्यपुस्तक है? जी हाँ / जी नहीं

(३) क्या हिंदी पाठ्यपुस्तक की कीमत उचित है? जी हाँ / जी नहीं

(४) क्या अध्यापक पढाते समय आप कक्षा में हिंदी पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(५) क्या आपके अध्यापक पढ़ाते समय आपकी कक्षा में हिंदी पाठ्यपुस्तक का दुबारा उपयोग करते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(६) आपको व्याकरण कैसा लगता है? आसान / कठिन

श्रवण से संबंधित प्रश्न

(७) आप हिंदी अधिकतर कहाँ सुनते हैं?

(१) दूरदर्शन (२) अध्यापक पढ़ाते समय

(३) रेडिओ (४) हिंदी फिल्म देखते समय

(८) क्या जब अध्यापक पढ़ाते है, तब आप हिंदी ठीक से सुन सकते है?

जी हाँ / जी नहीं

(९) क्या आप दूरदर्शन पर हिंदी कार्यक्रम देखते तथा सुनते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१०) क्या आप रेडिओ पर हिंदी कार्यक्रम तथा समाचार सुनते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(११) दूरदर्शन तथा रेडिओ पर विविध कार्यक्रमों से ठीक से उच्चारण सुनने को मिलते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१२) आपके शिक्षक द्वारा पढ़ाया गया पाठ का आशय क्या आपको समझ में आता हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१३) पाठ में आए हर नए शब्द का स्पष्टीकरण शिक्षक किस प्रकार करते हैं?

(अ) मराठी में अर्थ बताकर

(ब) हिंदी में अर्थ बताकर

(क) विविध उदाहरणों के आधार पर

संभाषण से संबंधित प्रश्न

(१४) क्या आप आसानी से हिंदी बोल पाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१५) आप हिंदी कब बोलते हैं? जी हाँ / जी नहीं

हिंदी तासिका के समय, हर समय

(१६) क्या अपने मित्रों के साथ हिंदी में वार्तालाप करते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१७) क्या आप आपने अध्यापक के साथ हिंदी में वार्तालाप करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(१८) क्या आप बैंक या डाकघर जाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१९) क्या आप बैंक या डाकघर में हिंदी में व्यवहार करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(२०) क्या आप बैंक या डाकघर के कर्मचारी के साथ हिंदी में वार्तालाप करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(२१) क्या आपकी हिंदी बोलते समय गलतियाँ होती हैं? जी हाँ / जी नहीं

वाचन से संबंधित प्रश्न

(२२) क्या आपको हिंदी पढ़ने में रुचि है? जी हाँ / जी नहीं

(२३) क्या आपके शिक्षक प्रकट वाचन लेते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२४) क्या आप हिंदी की पाठ्यपुस्तक छोडकर अन्य साहित्य प्रकार या पूरक-वाचन पढ़ते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२५) क्या आप समाचार पत्र पढ़ते है? जी हाँ / जी नहीं

(२६) क्या आप अन्य पुस्तकें पढ़ते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२७) क्या आप पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२८) क्या आप मनोरंजनात्मक साहित्य पढ़ते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२९) क्या आप बालसाहित्य पढ़ते हैं? जी हाँ / जी नहीं

लेखन से संबंधित प्रश्न

(३०) क्या आप आसानी से हिंदी लिख सकते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(३१) हिंदी लेखन में होनेवाली गलतियों को आपके अध्यापक सुधार करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(३२) क्या आपके शिक्षक आप से कक्षा में लेखन लिखवाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(३३) क्या आप हिंदी की पाठ्यपुस्तक छोडकर अन्य लेखन करते हैं? उदा.

कविता, निबंध, कहानी, लेख आदि। जी हाँ / जी नहीं

(३४) क्या आपके अध्यापक कुछ प्रश्नों के उत्तर फलक पर लिखकर फिर आप को

काफी में लिखने के लिए कहते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(३५) क्या आप मानक हिंदी में लिख सकते हैं? जी हाँ / जी नहीं

आशय से संबंधित प्रश्न

(३६) आपकी पाठ्यपुस्तक में संकलित पाठों का आशय कैसा है?

जी हाँ / जी नहीं

(३७) क्या आशय से आपकी विचारप्रक्रिया जागृत होती है? जी हाँ / जी नहीं

(३८) क्या आशय अधिक मनोरंजनात्मक है? जी हाँ / जी नहीं

(३९) क्या आशय से आपकी हिंदी के प्रति रूचि बढती है? जी हाँ / जी नहीं

(४०) क्या आशय जीवन से संबंधित हैं? जी हाँ / जी नहीं

(४१) क्या आशय से राष्ट्राभिमान निर्माण होता है? जी हाँ / जी नहीं

(४२) क्या आशय से अच्छे नागरिकत्व की शिक्षा मिलती हैं? जी हाँ / जी नहीं

(४३) क्या आशय समझने के बाद रचना लिखने में सहायक सिद्ध होता हैं?

जी हाँ / जी नहीं

५.१.२ अ) छात्र साक्षात्कार सारणी

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१.	निरक्षर है।	०१	०२%
	चौथीं कक्षा तक	११	१८%
	सातवीं कक्षा तक	१४	२३%
	दसवीं कक्षा तक	२२	३७%
	बारहवीं कक्षा तक	०८	१३%
	स्नातक	०४	०७%
	स्नातकोत्तर		
२.	जी हाँ	६०	१००%
	जी नहीं		
३.	जी हाँ	५९	९८%
	नहीं	०१	०२%
४.	जी हाँ	५९	९८%
	नहीं	०१	०२%
५.	जी हाँ	५६	९३%
	नहीं	०४	०७%
६.	आसान	५५	९२%
	कठिन	०५	०८%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
७.	दूरदर्शन	२१	३५%
	अध्यापक पढाते समय	१२	२०%
	रेडिओ	०२	०३%
	हिंदी फिल्म देखते समय	२५	४२%
८.	जी हाँ	५६	९३%
	नहीं	०४	०७%
९.	जी हाँ	५३	८८%
	नहीं	०७	१२%
१०.	जी हाँ	३८	६३%
	नहीं	२२	३७%
११.	जी हाँ	४८	८०%
	नहीं	१२	२०%
१२.	जी हाँ	५३	८८%
	नहीं	०७	१२%
१३.	मराठी में अर्थ बताकर	५.	८%
	हिंदी मे अर्थ बताकर	९	१५%
	विविध उदाहरणों के आधार पर	४६	७७%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत		प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१४.	जी हाँ	२८	४७%		२४.	जी हाँ	६	१०%
	नहीं	३२	५३%			नहीं	५४	९०%
१५.	हिंदी तासिका के समय	५७	९५%		२५.	जी हाँ	७	१२%
	हर समय	०३	०५%			नहीं	५३	८८%
१६.	जी हाँ	१२	२०%		२६.	जी हाँ	६	१०%
	नहीं	४८	८०%			नहीं	५४	९०%
१७.	जी हाँ	२८	४७%		२७.	जी हाँ	९	१५%
	नहीं	३२	५३%			नहीं	५१	८५%
१८.	जी हाँ	३५	५८%		२८.	जी हाँ	१०	१७%
	नहीं	२५	४२%			नहीं	५०	८३%
१९.	जी हाँ	१०	१७%		२९.	जी हाँ	१७	२८%
	नहीं	५०	८३%			नहीं	४३	७२%
२०.	जी हाँ	९	१५%		३०.	जी हाँ	३८	६३%
	नहीं	५१	८५%			नहीं	२२	३७%
२१.	जी हाँ	५७	९५%		३१.	जी हाँ	५७	९५%
	नहीं	३	५%			नहीं	०३	०५%
२२.	जी हाँ	५५	९२%		३२.	जी हाँ	५२	८७%
	नहीं	५	८%			नहीं	०८	१३%
२३.	जी हाँ	५५	९२%		३३.	जी हाँ	१८	३०%
	नहीं	५	८%			नहीं	४२	७०%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
३४.	जी हाँ	२६	४२%
	नहीं	३४	५७%
३५.	जी हाँ	०६	१०%
	नहीं	५४	९०%
३६.	जी हाँ	५४	९०%
	नहीं	०६	१०%
३७.	जी हाँ	५८	९७%
	नहीं	०२	०३%
३८.	जी हाँ	५८	९७%
	नहीं	०२	०३%
३९.	जी हाँ	५८	९७%
	नहीं	०२	०३%
४०.	जी हाँ	५५	९२%
	नहीं	०५	८%
४१.	जी हाँ	५८	९७%
	नहीं	०२	०३%
४२.	जी हाँ	५८	९७%
	नहीं	०२	०३%
४३.	जी हाँ	५६	९३%
	नहीं	०४	०७%

५.२ कुछ संबंध नमुना शिक्षक प्रशिक्षकों से साक्षात्कार-

अध्यापन का कार्य कैसे किया जाएँ इसका प्रशिक्षण शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय में मिलता है। हिंदी पढ़ाते समय क्या आपत्ती गुजरती है? छात्रों का विकास किस प्रकार करना आवश्यक है? अध्यापन पद्धतियों का किस प्रकार उपयोग करना चाहिए? छात्रों को हिंदी भाषा एवं आशय की दृष्टि से कैसे समृद्ध करना चाहिए? आदि विषयों पर दस (१०) शिक्षक-प्रशिक्षकों से साक्षात्कार प्राप्त किया है। उनसे मिली जानकारी निम्नलिखित रुप में प्राप्त है। शिक्षक-प्रशिक्षक साक्षात्कार सारणी दी गई है।

५.२.१ शिक्षक-प्रशिक्षक साक्षात्कार

शिक्षक प्रशिक्षणार्थी का नाम -

प्रशिक्षण महाविद्यालय का नाम -

स्नातक स्तर का विषय -

हिंदी अध्यापन पद्धति का अध्यापन करनेवाले अध्यापक का स्नातक स्नातकोत्तर आदि के विषय-

सामान्य जानकारी हेतु प्रश्न

(१) पाठ्यक्रम में कुल-मिलकर कितने अभ्यास पाठ हैं?

(२) हिंदी अध्यापन पद्धति के कुल-मिलकर कितने पाठ हैं?

(३) अब तक आपने कुल-मिलाकर कितने हिंदी के अध्यापन पाठ पूरे किए हैं?

(४) जिन स्कूलों में आपके अभ्यास पाठ हुए, वहाँ के हिंदी शिक्षकों ने किस पाठ्यांश पर बल दिया है?

(अ) गद्य (ब) पद्य (क) रचना (ड) व्याकरण

(५) सूक्ष्म अध्यापन का प्रात्यक्षिक आपने किस माध्यम से किया? मराठी /हिंदी

(६) आशययुक्त अध्यापन पद्धति में आपने कौन-कौन से पाठ्यपुस्तकों का अनुशीलन किया है?

(अ) पाँचवीं (ब) छठीं (क) सातवीं (ड) आठवीं (इ)नौवीं (ई) दसवीं

(७) आप हिंदी का कौन-सा पाठ पढ़ाने में अधिक रूचि रखते हैं?

(अ) गद्य (ब) पद्य (क) रचना (ड) व्याकरण

(८) हिंदी अध्यापन पद्धति का अध्यापन किस माध्यम से किया जाता है?

मराठी /हिंदी

भाषा से संबंधित प्रश्न

(९) अभ्यास पाठ लेते समय क्या आपको व्याकरण एवं रचना के पाठ्यांश ज्यादा दिए गए थे? जी हाँ / जी नहीं

(१०) व्याकरण एवं भाषा अध्यापन के समय आप कौन-सी अध्यापन पद्धति का उपयोग करते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(११) आप मानक हिंदी के लिए कौन-सा आधार मानते है?

(अ) हिंदी व्याकरण की पुस्तक

(ब) पाठ्यपुस्तक

(क) अध्यापन पुस्तिका

(ड) केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा निर्धारित मानक हिंदी पुस्तिका

(१२) भाषा पढ़ाने के लिए अब आप जिन अध्यापन पद्धतियों का प्रशिक्षण ले रहे हैं, क्या भविष्य में आप उनका उपयोग कर पायेंगे? जी हाँ / जी नहीं

आशय से संबंधित प्रश्न

(१३) पाठ का आशय किस पद्धति से पढ़ाते हैं?

(अ) स्पष्टीकरण (ब) चर्चा पद्धति (क) प्रश्नोत्तर

(१४) पढ़ाया गया पाठ का आशय कितने प्रतिशत छात्र अपने वाक्यों में कथन करते हैं?

(१५) क्या आप आशय पढ़ाने के लिए पूरक वाचन करते हैं? जी हाँ / जी नहीं

BALASAHEB ... KAR LIBRARY

५.२.२ शिक्षक-प्रशिक्षक साक्षात्कार सारणी

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१.		१०	१००%
२.		१०	१००%
३.		१०	१००%
४.	गद्य	७	७०%
	पद्य	२	२०%
	रचना	-	-
	व्याकरण	१	१०%
५.	मराठी	-	-
	हिंदी	१०	१००%
६.	पाँचवीं	१	१०%
	छठीं	-	-
	सातवीं	२	२०%
	आठवीं	२	२०%
	नौवीं	५	५०%
	दसवीं	-	-
७.	गद्य	४	४०%
	पद्य	३	३०%
	रचना	-	-
	व्याकरण	३	३०%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
८	मराठी	-	-
	हिंदी	१०	१००%
९.	जी हाँ	३	३०%
	नहीं	७	७०%
१०.	उद्गामी	९	९०%
	अवगामी	१	१०%
११.	हिंदी व्याकरण की पुस्तक	८	८०%
	पाठ्यपुस्तक	१	१०%
	अध्यापन पुस्तिका	१	१०%
	केंद्रीय हिंदी निदेशालय	-	-
	द्वारा निर्धारित मानक	-	-
	हिंदी पुस्तिका		
१२.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१३.	स्पष्टीकरण	१०	१००%
	चर्चा पद्धति	-	-
	प्रश्नोत्तर	-	-
१४.	१ से ४०%	१०	१०%
१५.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-

५.३ कुछ संबंध नमुना अध्यापकों से साक्षात्कार

हिंदी का अध्यापन कार्य खुद अध्यापक करते है। अध्यापक ही छात्रों की दृष्टि से हिंदी का विषय समझाने में अहम भूमिका निभाते है। छात्र हिंदी विषय में अच्छे अंक कैसे प्राप्त करे। हिंदी भाषा को कैसे अभिव्यक्त करे? हिंदी भाषा को जीवन में कैसे अपनाएँ? पाठ्यपुस्तक का उपयोग कैसे करे? आदि विषयों पर दस (१०) अध्यापकों का साक्षात्कार प्राप्त किया है। उनसे मिली जानकारी निम्नलिखित है। अध्यापक साक्षात्कार सारणी भी दी गई है।

५.३.१ अध्यापक साक्षात्कार

अध्यापक का नाम -

उपाधि विषयों कें नाम -

विषय -

हिंदी -

हिंदी के साथ अन्य कौन-से विषय का अनुभव

पाठशाला का नाम -

अध्यापन कुल सेवा काल -

सामान्य जानकारी हेतु प्रश्न

(१) अध्यापन की विशेषता

(अ) आशय को महत्त्व देकर

(ब) परीक्षा को महत्त्व देकर

(क) भाषा को महत्त्व देकर

(२) क्या आप हिंदी का अध्यापन हिंदी माध्यम से करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(३) क्या पाठ्य-पुस्तक में गद्य-पाठों की संख्या पर्याप्त हैं? जी हाँ /जी नहीं

(४) क्या पाठ्य-पुस्तक में से पद्य पाठों की संख्या पर्याप्त हैं? जी हाँ /जी नहीं

(५) क्या आप छात्रों को स्वाध्याय देते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(६) क्या आप अध्यापन करते समय शैक्षणिक साधनों का प्रयोग करते हैं?

जी हाँ /जी नहीं

(७) क्या आप उपलब्ध तासिका में पूरा पाठ्यक्रम पढा पाते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(८) क्या आपको शहर और ग्रामीण के लिए अलग पाठ्यपुस्तक की जरूरत महसूस होती है? जी हाँ /जी नहीं

(९) क्या ९ वी, १० वी के पाठ्यपुस्तकों का अतरंग और बहिरंग पर्याप्त है?

जी हाँ /जी नहीं

श्रवण से संबंधित प्रश्न

(१०) क्या छात्र हिंदी सुनने में रुचि रखते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(११) आप पढ़ाते समय क्या छात्र सुनकर अर्थग्रहण कर लेते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१२) आशय पढ़ाने के बाद क्या अधिकांश छात्र सुने हुए आशय के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा में दे पाते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(आठ-दस पंक्तियों में)

(१३) कितने प्रतिशत छात्र आठ-दस पंक्तियों में उत्तर दे पाते हैं?

संभाषण से संबंधित प्रश्न

(१४) क्या आप छात्रों से पाठ्यपुस्तक में निर्धारित पूरक संभाषण करवाते हैं?

(१५) क्या आप छात्रों के साथ हिंदी में बोलते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(१६) क्या आपको हिंदी पढ़ाने में रुचि हैं? जी हाँ /जी नहीं

(१७) क्या आप संभाषण करते समय हिंदी का मानक उच्चारण करते हैं?

जी हाँ /जी नहीं

वाचन से संबंधित प्रश्न

(१८) क्या आप हिंदी का मानक उच्चारण करवाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१९) क्या छात्र पढ़ते समय सही उच्चारण के साथ पढते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२०) क्या आप कक्षा में छात्रों से प्रकट वाचन करवा लेते हैं? जी हाँ /जी नहीं

लेखन से संबंधित प्रश्न

(२१) क्या आप लिखते समय स्वयं मानक हिंदी का प्रयोग करते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२२) क्या आप छात्रों से मानक हिंदी में लेखन करवाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(२३) क्या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र अपने विचारों को हिंदी में लिख सकता है?

जी हाँ /जी नहीं

(२४) कितने प्रतिशत छात्र मानक हिंदी में लिख सकते हैं?

आशय से संबंधित प्रश्न

(२५) क्या कक्षा नौवीं तथा दसवीं के पाठ्यपुस्तक के आशय में विविधता है?

(२६) नौवीं तथा दसवीं के पाठ्यपुस्तक में क्या आशय के दृष्टि से साहित्य के विविध विधाओं का प्रयोग किया हैं?

(२७) पाठों का आशय कक्षा नौवीं एवं दसवीं के स्तर के अनुसार पढ़ाई करने योग्य है?

जी हाँ /जी नहीं

(२८) क्या छात्र पाठ का आशय अपने वाक्यों में कथन करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(२९) कितने प्रतिशत छात्र पाठ का आशय मानक वाक्यो में / भाषा में कथन कर सकते हैं?

भाषा से संबंधित प्रश्न

(३०) छात्र मानक हिंदी के लिए कोन सा आधार मानते हैं?

(अ) हिंदी व्याकरण का पुस्तक

(ब) पाठ्यपुस्तक

(क) अध्यापन-पुस्तिका

(ड) केंद्रिय हिंदी निदेशालय द्वारा निर्धारित मानक हिंदी पुस्तिका

(३१) क्या आपको पाठ्य-पुस्तक में भाषिक उद्देश्य की दृष्टि से त्रुटियाँ दिखाई देती है?

जी हाँ / जी नहीं

(३२) क्या आप अध्यापन करते समय अन्य विषयों से समवाय प्रस्थापित करते है?

जी हाँ / जी नहीं

(३३) क्या आप अध्यापन करतें समय बालक केंद्रित शिक्षण पद्धति को अपनाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(३४) क्या आप की दृष्टि से नौवीं दसवीं तक का पाठ्यक्रम भाषिक सघनता और व्याप्ति की पूर्ति करता है? जी हाँ / जी नहीं

(३५) पाठ्य-पुस्तक में आए नए संबोध/संकल्पना का स्पष्टीकरण किस आधार पर करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(अ) अर्थ बताकर (ब) उदाहरण देकर

(क) चित्र के आधार पर (ड) विश्लेषण के आधार पर

(इ) स्पष्टीकरण के आधार पर

(३६) क्या दसवीं उत्तीर्ण छात्र भाषिक कौशले से अवगत होता है? जी हाँ / जी नहीं

(३७) यदि हाँ तो कौन से कौशलों को कितने प्रतिशत छात्र आत्म-सात करते है?

(अ) श्रवण (ब) वाचन (क) भाषण (ड) लेखन

५.३.२ अध्यापक साक्षात्कार सारणी

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१.	आशय को महत्त्व देकर	७	७०%
	परीक्षा को महत्त्व देकर	१	१०%
	भाषा को महत्त्व देकर	२	२०%
२.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
३.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
४.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
५.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
६.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
७.	जी हाँ	६	६०%
	जी नहीं	४	४०%
८.	जी हाँ	३	३०%
	नहीं	०७	७०%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
९.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१०.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
११.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१२.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१३.	प्रतिशत १ ते २५%		
	२६ ते ५०%	१०	१००%
१४.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१५.	जी हाँ	८	८०%
	नहीं	२	२०%
१६.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
१७.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१८.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
१९.	जी हाँ	६	६०%
	जी नहीं	४	४०%
२०.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
२१.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
२२.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
२३.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
२४.	प्रतिशत १ ते २५%	१	१०%
	२६ ते ५०%	९	३०%
२५.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
२६.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
२७.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
२८.	जी हाँ	१०	१००%
	जी नहीं	-	-
२९.	प्रतिशत १ ते २५%	१	१०%
	२६ ते ५०%	९	९०%
३०.	हिंदी व्याकरण की पुस्तक	३	३०%
	पाठ्यपुस्तक	७	७०%
	अध्यापन पुस्तिका	-	-
	केंद्रीय हिंदी निदेशालय	-	-
	द्वारा निर्धारित मानक हिंदी पुस्तिका	-	
३१.	जी हाँ	-	-
	जी नहीं	१०	१००%
३२.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
३३.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
३४.	जी हाँ	९	९०%
	जी नहीं	१	१०%

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
३५.	अर्थ बताकर	१	१०%
	उदाहरण देकर	६	६०%
	चित्र के आधारपर	-	-
	विश्लेषण के आधार पर	१	१०%
	स्पष्टीकरण के आधार पर	२	२०%
३६.	जी हाँ	१०	१००%
	नहीं	-	-
३७.	श्रवण ७६ ते १००	१०	१००%
	वाचन ७६ ते १००	१०	१००%
	भाषण १ ते २५	१०	१००%
	लेखन १ ते ३०	१०	१००%

५.४ कुछ संबंध नमुना प्रधानाध्यापकों से साक्षात्कार

प्रधानाध्यापक अध्यापकों से मार्गदर्शन कर छात्रों के विविध विषयों में विकास करने के लिए प्रवृत्त करते हैं। प्रधानाध्यापक हिंदी विषय में कैसे मार्गदर्शन करते हैं? कैसे योगदान देते हैं? तथा उन्हें हिंदी में क्या समस्याएँ भासित होती है? आदि विषयों पर ५ प्रधानाध्यापकों से साक्षात्कार प्राप्त किया है। उनसे मिली जानकारी निम्नलिखित रूप में प्राप्त है। प्रधानाध्यापक सारणी दी गई है।

५.४.१ प्रधानाध्यापक साक्षात्कार

प्रधानाध्यापक का नाम -

पाठशाला का नाम -

उपाधि विषय -

आयु -

पता -

अध्यापन कुल सेवा काल -

सामान्य जानकारी हेतु प्रश्न

(१) क्या आप भाषा विषय का अध्यापन करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(२) क्या आप भाषा विषय के अध्यापकों को उनके विषय के अनुसार मार्गदर्शन करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(३) आप के स्कूल में हिंदी के कितने अध्यापक हिंदी में अध्यापन करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(४) क्या आप की पाठशाला में हिंदी राष्ट्रभाषा की विविध परीक्षाएँ हैं, उनमें छात्रों को शामिल होने तथा अध्यापकों को पढ़ाने के लिए प्रवृत्त करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(५) क्या आप हिंदी पढानेवाले अध्यापकों का पाठ का निरीक्षण करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

श्रवण से संबंधित प्रश्न

(६) पाठशाला में अध्यापक हिंदी विषय पढ़ाते समय क्या छात्र गौर से सुनते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(७) क्या छात्र पढ़ाए गए पाठ के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही दे पाते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(८) हिंदी कार्यक्रम के अवसर पर क्या छात्र हिंदी सुनने के लिए रुचि रखते हैं?

जी हाँ /जी नहीं

संभाषण से संबंधित प्रश्न

(९) क्या आप हिंदी कार्यक्रम मनाने के लिए अध्यापकों को प्रवृत्त करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(१०) क्या आप हिंदी दिन आयोजित करने के लिए अध्यापकों, छात्रों को प्रेरित करते हैं?

जी हाँ /जी नहीं

(११) क्या आप हिंदी वक्तृत्व प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए अध्यापकों तथा छात्रों को प्रवृत्त करते हैं? जी हाँ /जी नहीं

(१२) क्या अध्यापक छात्रों के साथ, छात्र अध्यापकों के साथ हिंदी में वार्तालाप करते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

वाचन से संबंधित प्रश्न

(१३) क्या आप पाठशाला में छात्रों तथा अध्यापकों को पढ़ने के लिए हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१४) क्या आप पाठशाला में हिंदी दैनिक पत्र मँगवाते हैं? जी हाँ / जी नहीं

(१५) क्या पाठशाला में पत्र-पत्रिकाएँ, दैंनिक समाचार पत्र आदि पढ़ने के लिए छात्रों को उचित स्वतंत्र कमरे की सुविधा हैं? जी हाँ /जी नहीं

(१६) क्या छात्र स्कूल में हिंदी दैनिक समाचार पत्र या पत्र पत्रिकाएँ नियामित पढ़ते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(१७) क्या आपने अध्यापकों तथा छात्रों को ग्रंथालय में पूरक वाचन के लिए किताबें उपलब्ध करा दी हैं? जी हाँ /जी नहीं

लेखन से संबंधित प्रश्न

(१८) क्या आप हिंदी निबंध, हस्ताक्षर आदि प्रतियोगिता का आयोजन करवाते हैं?

जी हाँ / जी नहीं

(१९) क्या छात्र स्वयं हिंदी में लेखन कर पाते हैं? उदा. नेता का चरित्र, समाजसुधारक का चरित्र जी हाँ / जी नहीं

५.४.२ प्रधानाध्यापक साक्षात्कार सारणी

प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत		प्र.क्र.	विकल्प	छात्र संख्या	प्रतिशत
१.	जी हाँ नहीं	३ २	६०% ४०%		११.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -
२.	जी हाँ जी नहीं	५ -	१००% -		१२.	जी हाँ नहीं	१ ४	२०% ८०%
३.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१३.	जी हाँ नहीं	२ ३	४०% ६०%
४.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१४.	जी हाँ नहीं	१ ४	२०% ८०%
५.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१५.	जी हाँ नहीं	१ ४	२०% ८०%
६.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१६.	जी हाँ नहीं	१ ४	२०% ८०%
७.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१७.	जी हाँ नहीं	४ १	८०% २०%
८.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१८.	जी हाँ नहीं	३ २	६०% ४०%
९.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -		१९.	जी हाँ नहीं	४ १	८०% २०%
१०.	जी हाँ नहीं	५ -	१००% -					

निष्कर्ष

कक्षा नौवीं एवं दसवीं के स्तर पर छात्रों का भाषा एवं आशय की दृष्टि से कैसे विकास होता है? क्या पाठ्यपुस्तकों द्वारा उनका विकास होता है? अध्यापकों द्वारा भाषा एवं आशय की दृष्टि से कहाँ तक प्रभावित होते है? आदि जानकारी प्राप्त करने के लिए ६० छात्र, १० शिक्षक-प्रशिक्षक, १० अध्यापक, ५ प्रधानाध्यापक से साक्षात्कार लिया है। उसपर साक्षात्कार के उपरांत निम्नलिखित रुप में जानकारी प्राप्त होती है।

अध्यापकों से साक्षात्कार लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नौवीं एवं दसवीं की पाठ्यपुस्तक कों का आंतरिक एवं बाह्य रु प रंग पर्याप्त है। छात्र हिंदी सुनने में रुचि रखते हैं। छात्रों को पढ़ाने के पश्चात वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अधिकांश छात्र देते है, लेकिन आठ दस पंक्तियों में उत्तर सिर्फ ३० से ३५ प्रतिशत छात्र मानक भाषा में देते हैं। पढ़ते समय अधिकांश छात्र सही उच्चारण नहीं करते हैं। छात्र हिंदी लिखने का प्रयास करते हैं, लेकिन मानक भाषा में नहीं लिखते हैं। ३० से ३५ प्रतिशत तक छात्र मानक भाषा में अपने विचारों, निबंधों, आठ दस पंक्तियों में उत्तर लिख सकते हैं। सभी छात्रों का भाषिक विकास नहीं हो पाता है। सक्षमता से अधिकांश छात्र लिख तथा बोल नहीं पाते हैं। अध्यापकों की राय है कि भाषिक कौशल प्राप्त करते हैं, लेकिन कुछ हद तक ही प्राप्त करते हैं। श्रवण, वाचन, कौशल ८० से ९५% तक छात्र प्राप्त करते हैं। भाषण कौशल २५% छात्र ही प्राप्त करते हैं। २५% तक छात्र मानक भाषा में अपने विचार प्रकट करते हैं, अच्छी हिंदी बोल पाते हैं। ३०% तक छात्र मानक भाषा में लेखन करते हैं। निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर, अपने विचारों को मानक भाषा में लिखते हैं। शेष छात्र मानक भाषा में लिख नहीं पाते हैं। अध्यापकों को भाषिक उद्देश्यों के अनुसार अध्यापन करना चाहिए। छात्रों को भाषिक कौशल प्राप्त होने के लिए कुछ समय देना चाहिए। राष्ट्रभाषा परीक्षाओं में अधिकांश छात्रों को शामिल कराना चाहिए।

५३% छात्र मानक हिंदी भाषा में नहीं बोल पाते हैं। छात्र हिंदी में बोलने का अभ्यास नहीं करते हैं। अधिकांश छात्र बोलते समय गलतियाँ करते हैं। छात्र हिंदी का पूरक वाचन नहीं करते हैं, समाचार पत्र नहीं पढ़ते हैं। मनोरंजनात्मक साहित्य नहीं पढ़ते हैं। बालसाहित्य

नहीं पढ़ते हैं। इसलिए समाचार पत्र, मनोरंजनात्मक साहित्य, पूरक वाचन करना चाहिए, जिससे छात्रों का हिंदी भाषा समृद्ध बन सकती है। हिंदी के प्रति रुचि बढ़ सकती है। हिंदी भाषा एवं आशय को ज्ञानार्जन करने के लिए सहायक सिद्‌ध होता है।

अध्यापक परीक्षा की दृष्टि से अध्यापन करते हैं। उन्हें निहित तासिका में पाठ्‌यक्रम पूरा करना पडता है। केंद्रिय हिंदी निदेशालय द्‌वारा निर्धारित मानक हिंदी पुस्तिका का उपयोग नहीं करते हैं, जिससे छात्रों का अशुद्‌ध लेखन होता है। आशय की दृष्टि से अधिकांश छात्र समझ नहीं पाते हैं, तथा अभिव्यक्त नहीं करते हैं। हिंदी की भाषण, निबंध आदि प्रतियोगिताओं में अधिकांश छात्र हिस्सा नहीं लेते हैं।

कुछ इने- गिने छात्र ही हिंदी भाषा लिख तथा बोल सकते हैं। अधिकांश छात्र निबंध, कहानी नहीं लिख पाते हैं न अभिव्यक्त कर सकते है। न भाषिक कौशल से अवगत होते है न आशय समृद्‌धि से है। शिक्षक - प्रशिक्षकों से साक्षात्कार प्राप्त किया है। शिक्षक- प्रशिक्षक जिस पाठशाला में अध्यापन पाठ लेने के लिए जाते हैं वहाँ गद्‌य पर ही अधिक बल दिया जाता है। शिक्षक-प्रशिक्षकों को गद्‌य, पद्‌य, व्याकरण, रचना आदि पर अध्यापन पाठ लेना जरूरी है।

छात्र, शिक्षक-प्रशिक्षक, अध्यापक मानक हिंदी केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्‌वारा निर्धारित मानक हिंदी पुस्तिका का प्रयोग नहीं करते हैं। प्रधानाध्यापक अध्यापकों के लिए हिंदी विषय पढ़ाने के लिए प्रेरणा देते हैं। पाठशाला में हिंदी का दैनिक समाचार पत्र नहीं मँगवाते इससे छात्र, अध्यापक दैनिक हिंदी समाचार पत्र नहीं पढ़ पाते हैं। कुछ पाठशाला में निबंध, वक्तृत्व, हस्ताक्षर आदि प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया जाता है। पाठशाला में समाचार पत्र-पत्रिकाएँ, पूरक वाचन करने के लिए स्वतंत्र कमरे की सुविधा नहीं है।

५.६ भविष्यकालीन अनुसंधान की दिशाएँ

प्रस्तुत विषय के अंतर्गत और भी अनुसंधान किया जा सकता है।

१. हिंदी भाषा एवं आशय की दृष्टि से कक्षा नौवीं एवं दसवीं की हिंदी पाठ्‌यपुस्तक मे दिए गए पूरक पठन का अनुशीलन।

२ हिंदी भाषा एवं आशय की दृष्टि से कक्षा ग्यारहवीं की हिंदी पाठ्‌यपुस्तक का अनुशीलन।

३. हिंदी भाषा एवं आशय की दृष्टि से कक्षा बारहवीं की हिंदी पाठ्‌यपुस्तक का अनुशीलन।